अनुसूचित आदिम जातियों का कल्याण

१४२७. **श्री प्रकाश वीर शास्त्री** : क्या गृह-कार्य मंत्री एक ऐसा विवरण सभा-पटल पर रखने की कृपा करेंगे जिस में निम्न जानकारी दी गई हो :

(क) अनुसूचित आदिमजातियो के कल्याण पर केन्द्रीय सरकार ने गत पाच वर्षों में कितना रुपया खर्च किया, और

(ख) इस धन में से सामाजिक संस्थाओ द्वारा कितना खर्च किया गया तथा उन के नाम क्या है ?

गृह-कार्य उपमंत्री (श्रीमती आल्वा) : (क) केन्द्रीय सरकार ने १९५३–५४ से १९५७–५८ तक के पाच सालो में अनुसूचित आदिम जातियोके उत्थान के लिये २२६५.७० लाख रुपये की रकम मजूर की थी जिस का ब्यौरा इस प्रकार है —

(लाख रुपयो में)

वर्ष	स्टेट सैक्टर	सैन्ट्रल सैक्टर	जोड
	राज्य सरकारें तथा क्षेत्र		
1 1953-54	262 73		262·73
2 1954-55	376 72		376 72
3 1955-56	513 74		513 74
4 1956-57	291 95	223 05	515 00
5 1957-58	310 171	287 349	597·510
	जोड	2265 70	

(ख) इस रकम में से १ ७७ लाख रुपये नीचे दी गई अखिल भारतीय संस्थाओ ने १९५६–५७ और १९५७–५८ में खर्च किये —

१ सर्वेन्ट्स आफ इंडिया सोसायटी (आन्ध्र प्रदेश)

२ टाटा इस्टीट्यूट आफ सोशल साइन्सेज

३ इंडियन कौंसिल फार चाइल्ड वेलफेयर और

४. भारतीय लोक कला मंडल ।

उपरोक्त संस्थाओ के साथ-साथ केन्द्रीय सरकार ने भारतीय आदिम जाति सेवक संघ को भी दलित वर्गों और अनुसूचित आदिम जातियो के कल्याण के लिये सहायक अनुदान (ग्रान्ट-इन-एड) दिया । इस के अलावा राज्य सरकारो को अनुसूचित आदिम जातियो के उत्थान के लिये जो अनुदान दिया गया था उस में से उन्होने भी स्थानीय गैर-सरकारी संस्थाओ को अनुदान दिये । इन संस्थाओ का ब्यौरा और उन के द्वारा खर्च की गई रकम के आकडे भारत सरकार के पास नही है ।

उर्दू

१४२८. **श्री प्रकाश वीर शास्त्री** : क्या वैज्ञानिक गवेषणा और सांस्कृतिक-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) उर्दू के विकास के लिये सरकार द्वारा गत पाच वर्षों में कितने अनुदान और किन-किन संस्थाओ को दिये गये और

(ख) गत पाच वर्षों मे शिबली अकादमी, आजमगढ और देवबन्द के अरबी मदरसे को कितने रुपयो के अनुदान दिये गये और क्या इस मे से कुछ राशि उर्दू के विकास के लिये मजूर की गई थी ?

वैज्ञानिक गवेषणा और सांस्कृतिक-कार्य मंत्री (श्री हुमायूं कबिर) : (क) सरकार ने उर्दू के विकास के लिये पिछले पाच सालो मे नीचे लिखे अनुदान मजूर किये है —

	रुपये
१९५४–५५	
१ अजुमन तरक्की उर्दू हिन्द अलीगढ	३६,०००
१९५५–५६	
१ अजुमन तरक्की उर्दू हिन्द अलीगढ	३६,०००
१९५६–५७	
१ अजुमन तरक्की उर्दू हिन्द, अलीगढ	३६,०००